अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर

साप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर एवं योग–अध्यात्म–शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून, 2018 श्रीगोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर

प्रेस विज्ञप्ति (द्वितीय सत्र)

प्रकाशनार्थ, 16 जून। महायोगी गुरु गोरखनाथ योग संस्थान एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर एवं योग–अध्यात्म–शैक्षिक कार्यशाला के दूसरे दिन के शैक्षिक सत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित सभी स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संस्थाध्यक्षों एवं शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के **वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो0 यू0पी0सिंह जी** ने कहा कि हमारी शिक्षण संस्थायें औरो से अलग है। श्रीगोरक्षपीठ ने शिक्षा को सेवा का आधार बनाया है। अतः सेवा भाव से चलने वाली हमारी संस्थाओं के सामने औरों की अपेक्षा अलग तरह की चुनौती है। हमारी संस्थाओं को मानक बनना होगा। उन्हें गुणवत्ता पर खरा उतरते हुए राष्ट्र और समाज के लिए योग्य नागरिक तैयार करने की भूमिका निभानी होगीं।

उन्होंने कहा कि स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के समक्ष अनेक चुनौतियां है। 80 से 90 प्रतिशत विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले उच्च शिक्षण संस्थाओं को शासन–प्रशासन ने कहीं भी प्रतिनिधित्व नही प्राप्त है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद्, विद्या परिषद्, पाठ्यक्रम समिति, प्रवेश समिति, परीक्षा समिति ने स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यो एवं शिक्षकों का प्रतिनिधित्व न होना एक दुःखद पक्ष है तथापि इस विषय पर शासन गम्भीर है किन्तु स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों को भी गुणवत्ता स्थापित करने की चुनौती स्वीकारनी होगी। शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षा कराने की छवि बनानी होगी। संख्या के साथ यदि गुणवत्तापूर्व तैयारी और शुचितापूर्ण परीक्षा के मानक पर स्ववित्तपोषित संस्थायें खरा उतरे तो उनकी आवाज शासन भी सुनेगा। अतः योजना, क्रियान्वयन, मूल्यांकन तथा पुर्नसुधार के मंत्र पर स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों को उच्च शिक्षा में अपना महत्व स्थापित करना होगा। **उन्होंने आगे कहा कि प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी, अभिभावक, प्रबन्ध समिति, शासन, नियम–परिनियम, प्रशासन एवं केन्द्रिय परिषदें ये नौ उच्च शिक्षा के प्रमुख घटक है जिनके बीच समन्वय के आधार पर उच्च शिक्षा की तस्वीर बदली जा सकती है।**

इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य **वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रमथनाथ मिश्र** ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं के लिए एक मानक नियमावली प्रस्तुत की जिसपर अगले सत्र में संस्थाओं को मूल्यांकन किया जायेगा। कार्यशाला की प्रस्ताविकी रखते हुए महाराणा प्रताप पी.जी.कालेज, जंगल धूसड़ के **प्राचार्य डॉ0 प्रदीप राव** ने कहा कि हम आज जहां खड़े है वहा से एक वर्ष में एक कदम आगे चलने का स्पष्ठ लक्ष्य तय करें। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की सभी संस्थायें

अपनी संस्थापकों के उद्देश्य के अनुरूप भारत माता को समर्पित योग्य नागरिक निर्माण करने की दिशा में यथेष्ठ प्रयत्न करें। इस अवसर पर गुरू श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्रधानाचार्या सुश्री अजीथा डी0एस0, महाराणा प्रताप महिला पी0जी0कालेज, रामदत्तपुर की प्राचार्या डॉ0 सरिता सिंह, दिग्विजयनाथ एल0टी0 प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मारकण्डेय सिंह, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय चौक बाजार के प्राचार्य डॉ0 परशुराम गुप्त ने क्रमशः अपने–अपने महाविद्यालयों के आगामी वार्षिक योजना एंव लक्ष्य प्रस्तुत कियें। उपस्थित शिक्षकों ने भी अपने–अपने सुझाव दिये।